हिन्दी कार्यशाला - प्रतिवेदन

विषय - मानक वर्तनी एवं पारिभाषिक शब्दावली

25 मार्च 2025

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में मंगलवार दिनांक 25 मार्च 2025 को मुख्यालय एवं उपकेन्द्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु "**मानक वर्तनी एवं पारिभाषिक शब्दावली**" विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में संस्थान व उपकेन्द्रों से 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 16 अधिकारी एवं 8 कर्मचारी उपस्थित थे ।

कार्यशाला का प्रारंभ श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) के स्वागत भाषण से किया गया । इसके बाद श्री संजय बोकोलिया, संयुक्त निदेशक (प्रशा.) एवं वरिष्ठ कुलसचिव ने अपने उद्बोधन में सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से यह कहा कि राजभाषा दिशा-निर्देशों के अनुसार हमारा संस्थान ''ख'' क्षेत्र के अंतर्गत आता है इसलिए हमें 90% कार्य हिन्दी में करना है और सभी अधिकारी/कर्मचारी मन लगाकर कार्य उसके अनुरूप करेंगे तो हिन्दी का प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा और हम इस क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकेंगे । तत्पश्चात अतिथि वक्ता श्रीमती गार्गी गाडगील, सहायक निदेशक एवं कार्यालय अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण योजना ने सत्र प्रारंभ करते हुए अपने व्याख्यान में मानक वर्तनी, व्यंजन, स्वर, कारक चिन्हों, तत्सम शब्दों एवं विदेशी शब्दों का हिन्दी में प्रयोग आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हिंदी अंकों के उच्चारण एवं लिखावट में आने वाली आम गलतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि शब्दों का प्रयोग करते समय उसकी वर्तनी पर ध्यान दें। साथ में यह भी ज़रूरी है कि सही शब्दों का चयन किया

जाए ताकि अर्थ का अनर्थ न हो। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि अपने कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें ताकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके। इसी के साथ प्रतिभागियों से चर्चा करते हुए उनके समस्याओं का समाधान भी किया । उन्होंने यह भी कहा कि वे सदैव सहायता प्रदान करने हेतु तत्पर रहेंगी।

इस कार्यशाला से सभी प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं और वे अब अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में कर सकेंगे । अंत में श्रीमती रेखा नायर, मुख्य तकनीकी अधिकारी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यशाला समाप्त हुई ।